>

Title: Need to expedite the construction of the proposed Delhi-Meerut Expressway.

श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ): राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अंतर्गत मेरठ पश्चिम उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा, सबसे प्रमुख शहर है। यह दिल्ली से केवल 80 किलोमीटर दूर है। जिस समय एनसीआर का गठन हुआ, उस समय पूरे क्षेत्र के अंदर रैपिड ट्रांजिट सिस्टम के अंतर्गत द्रुत गति से सड़क मार्ग या रेल मार्ग से जोड़ने की योजनाएं बनी थीं। परन्तु मेरठ के संबंध में ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। आज भी 80 किलोमीटर की दूरी तीन घंटे, चार घंटे, कभी-कभी उससे भी अधिक समय में पूरी की जा पाती है। मेरा निवेदन है कि इसका जो राष्ट्रीय राजमार्ग 58 है, उस पर बहुत अधिक भीड़ रहती है और जैसे मैंने कहा, बहुत अधिक समय लगता है। रैपिड ट्रांजिट सिस्टम में मेरठ-दिल्ली के बीच एक एक्सप्रैस हाईवे बनाने की योजना बनी थी। लेकिन उसके कार्यान्वयन की गति इतनी सुस्त है कि आज तक भी उसका कोई स्वरूप दिखाई नहीं दे रहा है। मैंने जब 7 जुलाई, 2009 को प्रश्न संख्या 329 में पूछा कि इस एक्सप्रैस हाईवे की क्या स्थिति है तो मुझे बताया गया कि यह दिसम्बर, 2014 तक पूरा हो जाएगा।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप सरकार से क्या मांग कर रहे हैं?

श्री राजेन्द्र अग्रवाल : मैं वही बता रहा हूं। उसके बाद मैंने 8 अगस्त, 2011 में जब यही सवाल पूछा तो मुझे बताया गया कि इस एक्सप्रैस हाईवे का कार्य दिसम्बर, 2015 तक पूरा किया जाएगा यानी सरकार द्वारा ही टालमटोल का काम किया जा रहा है। उसकी अवधि एक साल बढ़ा दी गई है। मुझे चिन्ता है कि अगर सरकार इसी प्रकार टालमटोल करती रही तो यह एक्सप्रैस हाईवे नहीं आएगा। समय बहुत अधिक लग रहा है। मेरा निवेदन है कि मेरठ-दिल्ली एक्सप्रैस हाईवे का द्रुत गति से निर्माण प्रारंभ किया जाए ताकि जनता को सुविधा मिल सके और लोग यहां कम समय में आ सकें।

श्री अर्जुन राम मेघवाल (बीकानेर): उपाध्यक्ष महोदय, मैं भी इनके साथ एसोसिएट करता हूं।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप राजस्थान के व्यक्ति हैं, यूपी की बात कैसे कर रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : ठीक है।

श्री अर्जुन राम मेघवाल अपने आपको श्री राजेन्द्र अग्रवाल के विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं।